

संवर्द्धनीय विकास के लक्ष्य पर दुनियाभर के प्रतिनिधियों ने रखे विचार

Nav Xpress

गरीबी उन्मूलन और स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने जैसे सार्वभौमिक मुद्दों पर चर्चा के लिए जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी, अजमेर रोड में एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जिसका 'इनोवेशन इन टेक्नॉलजी एंड मैनेजमेंट फॉर अचीविंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी)' विषय था। इस मौके पर एक मंच पर रिसर्चर्स, प्रेक्टीशनर्स शैक्षिक संस्थान, प्राइवेट क्षेत्र, सरकार, योजनाकार, सिविल सोसायटी, कृषि व प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधक और विशेषज्ञों ने विचार रखे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया के एक्जिक्युटिव डायरेक्टर कमल सिंह ने तीन चरणों के बारे में बात की, जैसे कि राष्ट्रीय, राज्य और नगर निकायों के बारे में जिनके स्तर पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्य को पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने



कहा कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्य को हासिल करने में नगर निकायों की भूमिका बेहद अहम है। जेकेएलयू वाइस चांसलर डॉ. आर.एल. रैना ने युवा पीढ़ी से कहा कि वे समाज के कल्याण के लिए प्राकृतिक संसाधनों का वाजिब इस्तेमाल करें। प्रो. वाइस चांसलर आशीष गुप्ता और डॉ. ज्योति प्रकाश सीआर नायडू ने कहा

कि जीवन के हर क्षेत्र में सस्टेनेबल डेवलपमेंट का लक्ष्य तय करने की जरूरत है, चाहे वह क्षेत्र कृषि हो, मेडिकल हो, कम्प्यूटर साइंस हो अथवा साइकोलॉजी। इस मौके पर डॉ. संजय गोयल, डॉ. करीम एमएच, प्रमोद कुमार जैन और डॉ. रिचा शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने विचार व्यक्त किए।